मासिक पाठ्यक्रम, सत्र : 2016-17
कक्षा : सातवीं
विषय : हिंदी

महीना	विषय वस्तु	उद्देश्य	प्रस्तावित कियाएं
अप्रैल	पाठ-1 भारत के कोने-कोने से	1.छात्रों को कविता का रसास्वादन कराते हुए कविता के प्रति रूचि का विकास करना । 2.छात्रों को भारत का प्राथमिक परिचय देना । विद्यार्थियो में राष्ट्रीयता की भावना उत्पन्न करना । 3.उन में आशावाद का संचार करना । 4.उनके हिन्दी उच्चारण में शुद्धि लाना और उनकी अनुभूति और कल्पना-शक्ति का विकास करना ।	1.कविता में निहित लयात्मकता, आरोह-अवरोह व हाव भाव को ध्यानपूर्वक सुनकर कविता का सस्वर वाचन करवाया जाए । 2.बच्चों से कविता का समूह गान करवाया जा सकता है । 3.प्रतिदिन प्रार्थना सभा में अधिक से अधिक छात्रों को प्रार्थना गायन टीम में शामिल करके उन्हें गायन के अवसर दिये जायें। 5. भारत के नक़्शे में विभिन्न राज्यों को दिखाना। 6. कविता का सरलार्थ करवाया जाये।
	व्याकरण : लिंग परिवर्तन	1.छात्रों के व्याकरण ज्ञान में वृद्धि करना । 2.शब्द भंडार में वृद्धि करना । 3.लिंग परिवर्तन का ज्ञान देना ।	1.पाठ्य-पुस्तक व दैनिक जीवन में से कुछ शब्दों द्वारा बच्चों को लिंग परिवर्तन का ज्ञान देकर उन्हें अधिकाधिक उदाहरण स्वयं लिखने के अवसर दिये जायें। 2. शब्द भंडार में वृद्धि करने हेतु लिंग परिवर्तन सम्बन्धी चार्ट /मॉडल बनवाये जायें। 3.इंटरनेट से अथवा स्वयं लिंग परिवर्तन सम्बन्धी वीडियो सामग्री तैयार करके इसका समुचित ज्ञान दिया जा सकता है। 4. 'मिलान करो' अथवा 'रिक्त स्थानों की पूर्ति' जैसी किसी न किसी गतिविधि का प्रयोग करके भी लिंग परिवर्तन का समुचित ज्ञान दिया जा सकता है।
	व्याकरण : नए शब्दों का निर्माण	1.नए शब्दों का निर्माण सिखाना। 2.शब्द भंडार में वृद्धि करना ।	1.वर्णों को जोड़कर , शब्दों को जोड़कर, शब्द में छिपे अन्य शब्दों को ढूंढ़कर व अन्य किसी खेल विधि से नए शब्दों का निर्माण करना सिखाया जाये। 2.उन्हें समूह में बाँटकर ,सोचकर नए शब्द बनाने के अवसर दिए जायें। 3.वर्ग पहेली द्वारा भी नये शब्द बनाने सिखाये जा सकते हैं।
	पत्र : मित्र के प्रथम आने पर उसे बधाई पत्र।	1.अनौपचारिक पत्रों को लिखने की विधि का ज्ञान देना। 2.दैनिक जीवन में बच्चों को पत्र लिखने के योग्य बनाना । 3.आत्मविश्वास विकसित करना। 4.सामाजिक व मेल जोल की भावना विकसित करना।	1.अनौपचारिक पत्रों को लिखने की विधि का चार्ट बनाया जाये। 3.सम्बन्धित विषय पर चर्चा करके छात्रों से पत्र लिखवाया जाये व पुन: घर से लिखकर लाने के लिए दिया जाये।

		5. सुनकर बोलने और फिर अपने शब्दों में लिखने की ओर धीरे-धीरे प्रवृत्त करना। 6. इंटरनेट से बधाई संदेश भेजना सिखाना। 7.बधाई के कार्ड बनाने/खरीदने/बेचने का ज्ञान देना।	4.अभ्यास हेतु बच्चों से इसी प्रकार का कोई पत्र भी लिखवाया जा सकता है। 5.इंटरनेट से बधाई संदेश भेजना सिखायें। 6. विभिन्न अवसरों पर होने वाली ई- कार्ड प्रतियोगिताओं में कार्ड डिज़ाइन करके भेजना सिखाया जा सकता है। 7.जो कक्षा में प्रथम आए उसके लिए सभी छात्र मिलकर बधाई कार्ड बनायें और उसके घर पोस्ट करें और प्रथम आने वाला छात्र कार्ड प्राप्त करके अपना अनुभव कक्षा में साँझा करे।
	निबन्ध : वैशाखी का मेला	1.छात्रों में रचनात्मक अभिव्यक्ति का विकास करना 2.वैशाखी के माध्यम से भारत के त्योहारों के प्रति उत्साह पैदा करना।	1.'वैशाखी का त्योहार' पर कक्षा में छात्रों से चर्चा की जाये। 2.'वैशाखी' से सम्बन्धित विषय पर कोई चार्ट बनवाया जा सकता है । 3.वैशाखी से सम्बन्धित गीत सुना/सुनाया जा सकता है। 4.अखबारों /पत्रिकाओं से वैशाखी से सम्बन्धित चित्र इकट्ठे करवाकर उनका ज्ञान दिया जाये। 5.बच्चों से कक्षा में किसी आँखों देखे मेले का उनका अपना अनुभव हिंदी में सुना जाये। सभी को बोलने का अवसर दिया जाये ।
	व्याकरण : शुद्ध-अशुद्ध	1.भाषा का समुचित ज्ञान देना। 2.उच्चारण और शुद्ध वर्तनी का ज्ञान देना।	1.पाठ्य-पुस्तक व दैनिक जीवन में से कुछ शब्द देकर बच्चों को शुद्ध -अशुद्ध का ज्ञान दिया जाये। 2.मिलते जुलते शब्दों को लिखने का अभ्यास करवाया जाये। 3. 'मिलान करो' अथवा 'सही या गलत' जैसी किसी न किसी गतिविधि का प्रयोग करके भी वर्णों की पहचान करवाकर अशुद्धियाँ दूर करने का प्रयास किया जाये।
	पाठ-2 परमात्मा जो भी करता है, अच्छा ही करता है	1.छात्रों का मनोरंजन करना और उनमें साहित्याध्ययन के लिए रुचि उत्पन्न करना । 2.उनमें सकारात्मक सोच का विकास करना । 3.आत्मविश्वास एवम् परमात्मा में विश्वास जागृत करना ।	1.इसी विषय पर कोई और कहानी सुनाई जा सकती है । 2.परमात्मा पर विश्वास सम्बन्धी छात्रों के अनुभव जाने जा सकते हैं ।
	व्याकरण : क्रिया	1.व्याकरण में रुचि उत्पन्न करना। 2.क्रिया का पारिभाषिक व व्यावहारिक ज्ञान देना।	1.वाक्यों के द्वारा क्रिया व काल का समुचित ज्ञान प्रदान किया जाये। 2.पाठ्य पुस्तक का कोई पृष्ठ देकर उसमें से क्रिया शब्द रेखांकित करवाए जाएं ।

			3.शब्द समूह में से क्रिया सम्बन्धी शब्दों को चुनने के लिए कहा जाये।
	कहानी : दो बिल्लियाँ और एक बंदर	1.बच्चों में रचनात्मक अभिव्यक्ति का विकास करना । 2.आपस में न झगड़ने की शिक्षा देना। 3.चालाक लोगों की बातों में न आकर उनकी चालाकी को भाँपने की शिक्षा देना।	1.कहानी से सम्बन्धित चार्ट दिखाया जाये। 2.चित्र दिखाकर कहानी लिखने को कहा जा सकता है। 3.'आपसी लड़ाई का लाभ दूसरे उठाते हैं' शिक्षा से सम्बन्धित कोई अन्य कहानी सुनी /सुनायी जाये।
मई	पाठ-3 : रक्तदान : एक बहुमूल्य संस्कार	1.छात्रों की मौखिक एवं लिखित अभिव्यक्ति का विकास करना । 2.रक्त-दान के सम्बन्ध में सही जानकारी देते हुए उनमें रक्तदान सम्बन्धी मिथ्या अवधारणाओं को दूर करना । **उन्हें** बड़े होकर रक्तदान करने के लिए प्रेरित करना ।	1.बच्चों से रक्तदान संबंधी नारे लिखवाए जायें। 2. 'रक्तदान' से सम्बन्धित विषय पर कोई चार्ट बनवाया जा सकता है । 3.किसी रक्तदान शिविर में छात्रों को ले जाकर रक्तदान के प्रति जागरूक करें।
	पाठ-4 : फूल और काँटा	1.छात्रों को कविता का रसास्वादन कराते हुए कविता के प्रति रूचि का विकास करना । 2.प्रकृति के प्रति प्रेम विकसित करना। 3.छात्रों को फूल और काँटे के उदाहरण देते हुए उन्हें गुणवान बनने के लिए प्रेरित करना । 4उनकी अनुभूति और कल्पना-शक्ति का विकास करना ।	1.कविता का सस्वर वाचन बच्चों से करवाया जाये। 2. कविता का सरलार्थ करवाया जाये। 3. अपने स्कूल या घर में कोई पौधा लगाने को कहा जा सकता है ।
	व्याकरण : वचन परिवर्तन	1.छात्रों के व्याकरण ज्ञान में वृद्धि करना । 2.शब्द भंडार में वृद्धि करना । 3.वचन परिवर्तन का ज्ञान देना ।	1.पाठ्य-पुस्तक व दैनिक जीवन में से कुछ शब्दों द्वारा बच्चों को वचन परिवर्तन का ज्ञान देकर उन्हें अधिकाधिक उदाहरण स्वयं लिखने के अवसर दिये जायें। 2. शब्द भंडार में वृद्धि करने हेतु वचन परिवर्तन सम्बन्धी चार्ट /मॉडल बनवाये जायें। 3.इंटरनेट से अथवा स्वयं वचन परिवर्तन सम्बन्धी वीडियो सामग्री तैयार करके इसका समुचित ज्ञान दिया जा सकता है। 4. 'मिलान करो' अथवा 'सही या गलत' जैसी किसी न किसी गतिविधि का प्रयोग करके भी वचन परिवर्तन का समुचित ज्ञान दिया जा सकता है।
	व्याकरण : मुहावरे	व्याकरण में रुचि पैदा करते हुए एवं शब्द भंडार बढ़ाते हुए मुहावरों के विषय में जानकारी देते हुए सरल वाक्य बनाने में सहायता करना।	1.बारी-बारी से सभी विद्यार्थियों से मुहावरों क अर्थ औरे प्रयोग सम्बन्धी अभ्यास करवाया जाये ताकि कक्षा में सभी की भागीदारी बनी रहे। 2.मुहावरों के अर्थ व वाक्य सहित चार्ट बनवायें।
	पाठ-5	1.बच्चों में कल्पना शक्ति, तर्कशक्ति, अवलोकन	1.अध्यापक इस प्रकार की अन्य

	हार की जीत	एवं निरीक्षण क्षमता का विकास करना । 2.विद्यार्थियों को ईमानदारी से जीने के लिए प्रेरित करना । 3.उनमें दया, प्रेम आदि भावों का विकास करना ।	शिक्षाप्रद कहानियाँ विद्यार्थियों से सुने/सुनाये। 2.पाठ में आए प्रभावशाली संवादों के माध्यम से कहानी का मंचन किया जाये।
	व्याकरण : काल	1.व्याकरण में रुचि उत्पन्न करना। 2.काल का पारिभाषिक व व्यावहारिक ज्ञान देना।	1.वाक्यों के द्वारा क्रिया व काल का समुचित ज्ञान प्रदान किया जाये। 2.पाठ्य पुस्तक का कोई पृष्ठ देकर उसमें से काल शब्द रेखांकित करवाए जाएं । 3.शब्द समूह में से काल सम्बन्धी शब्दों को चुनने के लिए कहा जाये।
	निबन्ध : मेरा मित्र / मेरी सखी	1.बच्चों में रचनात्मक अभिव्यक्ति का विकास करना। 2.उन्हें इस योग्य बनाना कि वे अपने विचार क्रमबद्ध स्पष्टतापूर्वक, तथा शुद्ध भाषा में लिख सकें । 3.छात्रों में कल्पना शक्ति, तर्कशक्ति, अवलोकन एवं निरीक्षण क्षमता का विकास करना ।	1. बच्चों से पूछा जाये कि उन्हें अपना मित्र/अपनी सहेली क्यों पसंद है। 2.छात्रों से 'मेरा मित्र / मेरी सखी' विषय पर हिंदी में चर्चा की जा सकती है । 3.उन्हें अपने मित्र/सखी से सम्बन्धित अधिक से अधिक हिंदी मे बोलने और लिखने के अवसर प्रदान किये जाएं ।
	व्याकरण : नए शब्दों का निर्माण	1.नए शब्दों का निर्माण सिखाना। 2.शब्द भंडार में वृद्धि करना ।	1.वर्णों को जोड़कर , शब्दों को जोड़कर, शब्द में छिपे अन्य शब्दों को ढूंढ़कर व अन्य किसी खेल विधि से नए शब्दों का निर्माण करना सिखाया जाये। 2.उन्हें समूह में बाँटकर ,सोचकर नए शब्द बनाने के अवसर दिए जायें। 3.वर्ग पहेली द्वारा भी नये शब्द बनाने सिखाये जा सकते हैं।
फारमेटिव-1 मूल्यांकन			
जून	**ग्रीष्मावकाश के दौरान अध्यापक अपनी सुविधानुसार विद्यार्थियों को कोई न कोई रचनात्मक कार्य दे सकता है।**		
जुलाई	पाठ-6 राष्ट्र के गौरव प्रतीक	1.बच्चों की रचनात्मक अभिव्यक्ति को बढ़ाना और वर्तनी में शुद्धता लाना । 2.राष्ट्र के गौरव प्रतीक चिह्नों के बारे में बच्चों को जानकारी देना । 3.उनमें राष्ट्र के प्रतीकों के गौरव और सम्मान की रक्षा के लिए जागरूकता उत्पन्न करना ।	1.राष्ट्र के गौरव प्रतीक चित्रों का चार्ट बनवाया जाये। 2. गौरव प्रतीक चित्रों को हिंदी की कॉपी में चिपकाने के लिए कहा जाये।
	पाठ-7 आ री बरखा	1.छात्रों को कविता का रसास्वादन कराते हुए कविता के प्रति रूचि का विकास करना । 2.बच्चों को प्रकृति के प्रति रुचि उत्पन्न करना ।	1.कविता में निहित लयात्मकता, आरोह-अवरोह व हाव भाव को ध्यानपूर्वक सुनकर कविता का सस्वर वाचन करवाया जाये। 2.बच्चों से कविता का समूह

		3.विविध ऋतुओं की जानकरी देते हुए वर्षा ऋतु के सौन्दर्य और महत्व से परिचित करवाना ।	गान करवाया जा सकता है । 3. छात्रों से प्रकृति से सम्बन्धित उपादानों जैसे-बादल,पेड़,सूरज ,नदी आदि पर कोई कविता सुनाने/गाने/ लिखने के अवसर प्रदान किये जायें। 4.वर्षा के पहले और वर्षा के बाद की स्थिति पर छात्रों से बुलवाया जा सकता है या उसका चित्र बनवाया जा सकता है । 5.कविता का सरलार्थ करवाया जाये।
	व्याकरण : भाववाचक संज्ञा निर्माण	1.शब्द भंडार में वृद्धि करना। 2.भाववाचक संज्ञा निर्माण का व्यावहारिक रूप से ज्ञान देना।	1.जातिवाचक संज्ञा,सर्वनाम व विशेषण शब्दों के उदाहरणों द्वारा भाववाचक संज्ञा निर्माण का व्यावहारिक ज्ञान दिया जाये। 2.भाववाचक संज्ञा निर्माण से सम्बन्धित उदाहरणों का चार्ट बनाया जाये।
	निबन्ध : मेरी कक्षा का कमरा	1.छात्रों में रचनात्मक अभिव्यक्ति का विकास करना । 2.शब्द भंडार में वृद्धि करना । 3.उन्हें भावनात्मक रूप से स्कूल से जोड़ना। 4.स्कूल को स्वच्छ और सुंदर बनाने के लिए प्रेरित करना ।	1.अध्यापक कक्षा को साफ -सुथरा बनाने के लिए छात्रों से सुझाव जानने के लिए उन्हें कक्षा में बोलने व लिखने के अवसर प्रदान करें। 2.कक्षा में हिंदी विषय से सम्बन्धित मॉडल/ चार्ट बनवाकर लगाये जायें। 3. स्कूल में सबसे साफ-सुथरे कक्षा के कमरे को रखने वाले छात्रों को सम्मानित किया जाये।
	व्याकरण : पुरुष (तीनों पुरुष -उत्तम, मध्यम व अन्य पुरुष)	1.व्याकरण का ज्ञान प्रदान करना। 2. उत्तम,मध्यम व अन्य पुरुष का समुचित ज्ञान प्रदान करना।	1.वाक्यों के द्वारा तीनों पुरुषों - उत्तम ,मध्यम व अन्य पुरुष का समुचित ज्ञान प्रदान किया जाये। 2.पाठ्य पुस्तक का कोई पृष्ठ देकर उसमें से तीनों पुरुष को रेखांकित करवाए जाएं । 3.शब्द समूह में से तीनों पुरुष सम्बन्धी शब्दों को चुनने के लिए कहा जाये।
	व्याकरण : समानार्थक शब्द (पर्यायवाची शब्द)	1.शब्द भंडार में वृद्धि करना । 2.स्मरण शक्ति विकसित करना । 3.पर्यायवाची शब्द का व्यावहारिक रूप से ज्ञान देना।	1.दैनिक जीवन में प्रयोग आने वाले कुछ शब्द देकर उनके समानार्थक शब्द पूछे जायें और लिखवाये जायें। 2.जल के अंत में 'ज' लगाकर 'कमल' 'द' लगाकर 'बादल'और 'धि' लगाकर 'समुद्र' के पर्यायवाची बनते हैं- इस तरह अथवा अन्य तरीकों से शब्द निर्माण करवाया जाये।

			3.समानार्थक (पर्यायवाची) शब्दों का चार्ट भी तैयार किया जा सकता है ।
	पत्र : गर्मियों की छुट्टियों में अपने घनिष्ठ मित्र को छुट्टियाँ एक साथ मनाने के लिए निमन्त्रण पत्र।	1.अनौपचारिक पत्रों को लिखने की विधि का ज्ञान देना। 2.दैनिक जीवन में बच्चों को पत्र लिखने के योग्य बनाना । 3.सामाजिक मूल्यों का विकास करना। 4.सुनकर बोलने और फिर अपने शब्दों में लिखने की ओर धीरे-धीरे प्रवृत्त करना।	1.अनौपचारिक पत्रों को लिखने की विधि का चार्ट बनाया जाये। 3.सम्बन्धित विषय पर चर्चा करके छात्रों से पत्र लिखवाया जाये व पुन: घर से लिखकर लाने के लिए दिया जाये। 4.अभ्यास हेतु बच्चों से इसी प्रकार का कोई पत्र भी लिखवाया जा सकता है। 5..विद्यार्थी अपने सहपाठियों के साथ कक्षा में गर्मियों की छुट्टियों के अपने अनुभव साँझे करें।
अगस्त	पाठ-8 विजय दिवस	1.विद्यार्थियों में विचारों, भावों और भाषा की सहजता लाना और उनमें राष्ट्र-प्रेम की भावना पैदा करना । 2.देश की रक्षा करने वाले सैनिकों के जीवन पर प्रकाश डालना ।	1.कारगिल युद्ध में शहीद होने वाले सैनिकों का परिचय दिया जा सकता है । 2.देशभक्ति का गीत सुना जा सकता है।
	व्याकरण : नए शब्दों का निर्माण	1.नए शब्दों का निर्माण सिखाना। 2.शब्द भंडार में वृद्धि करना ।	1.वर्णों को जोड़कर , शब्दों को जोड़कर, शब्द में छिपे अन्य शब्दों को ढूंढ़कर व अन्य किसी खेल विधि से नए शब्दों का निर्माण करना सिखाया जाये। 2.उन्हें समूह में बाँटकर ,सोचकर नए शब्द बनाने के अवसर दिए जायें। 3.वर्ग पहेली द्वारा भी नये शब्द बनाने सिखाये जा सकते हैं।
	कहानी : खरगोश और कछुआ	1.बच्चों में रचनात्मक अभिव्यक्ति का विकास करना । 2.घमंड न करने की शिक्षा देना। 3.घमंडी लोगों को सबक सिखाने की प्रेरणा देना। 4.आत्मविश्वास के साथ प्रतियोगिता में भाग लेने योग्य बनाना।	1.कहानी से सम्बन्धित चार्ट दिखाया जाये। 2.चित्र दिखाकर कहानी लिखने को कहा जा सकता है। 3.'घमंडी का सिर नीचा' शिक्षा से सम्बन्धित कोई अन्य कहानी सुनी /सुनायी जा सकती है।
	पाठ- 9 **स्वराज्य की नींव**	1.विद्यार्थियों के विचारों, भावों और भाषा की सहजता लाना, उनमें राष्ट्र-प्रेम की भावना पैदा करना । 2.झाँसी की रानी लक्ष्मीबाई के साहस, त्याग से परिचित कराना ।	1.स्वतन्त्रता के लिए बलिदान देने वाले देशभक्तों के बारें बताया जा सकता है । 2. उनके चित्रों को एकत्र करने को कहें। 3. देशभक्तों के जीवन से क्या प्रेरणा मिलती है - इस सम्बन्धी हिंदी में छात्रों से विचार जाने जायें।
	व्याकरण : विशेषण निर्माण	1.शब्द भंडार में वृद्धि करना। 2.विशेषण निर्माण का व्यावहारिक रूप से ज्ञान देना।	1.संज्ञा,सर्वनाम,क्रिया व अव्यय शब्दों द्वारा विशेषण निर्माण का व्यावहारिक ज्ञान दिया जाये। 2.विशेषण निर्माण से सम्बन्धित

			उदाहरणों का चार्ट बनाया जाये।
	पत्र : खिड़की का शीशा टूट जाने पर क्षमा माँगते हुए प्रार्थना पत्र।	1. औपचारिक पत्रों को लिखने की विधि का ज्ञान देना। 2.दैनिक जीवन में बच्चों को पत्र लिखने के योग्य बनाना। 3.आत्मविश्वास विकसित करना । 4.गलती स्वीकार करने की भावना विकसित करना।	1.औपचारिक पत्रों को लिखने की विधि का चार्ट बनाया जाये। 2.पंजाबी के प्रार्थना पत्र का उदाहरण देकर समझाया जाए। 3.सम्बन्धित विषय पर चर्चा करके छात्रों से प्रार्थना पत्र लिखवाया जाये व पुन: घर से लिखकर लाने के लिए दिया जाये। 4.अभ्यास हेतु बच्चों से इसी प्रकार का कोई पत्र भी लिखवाया जा सकता है।
	पाठ-10 बढ़े चलो,बढ़े चलो	1.बच्चों को अहिंसा के मार्ग पर चलते हुए 2.हर परिस्थिति में आगे बढने के लिए प्रेरित करना।	1.कविता का सस्वर वाचन बच्चों से करवाया जाए । 2.भाव साम्यता :अध्यापक द्वारा हरिवंशराय बच्चन की सुप्रसिद्ध कविता 'अग्निपथ' सुनायी जाये। 3.कविता का सरलार्थ करवाया जाये।
	व्याकरण : विपरीतार्थक शब्द	1.शब्द भंडार में वृद्धि करना । 2.स्मरण शक्ति विकसित करना 3.विपरतार्थक शब्दों का व्यावहारिक रूप से ज्ञान देना।	1.दैनिक जीवन में प्रयोग आने वाले कुछ शब्द देकर उनके विपरीतार्थक शब्द पूछे जायें और लिखवाये जायें। 2.विपरीतार्थक शब्दों का चार्ट /मॉडल भी तैयार किया जा सकता है।
	निबन्ध : मेरा अध्यापक	छात्रों में रचनात्मक अभिव्यक्ति का विकास करना और उनके शब्द भंडार एवं सूक्ति भंडार में वृद्धि करना तथा उस शब्द-भंडार का सफलता से प्रयोग करना । अध्यापकों के प्रति सम्मान और निष्ठा कि भावना का विकास करना ।	1. अध्यापक क्यों अच्छे लगते हैं ? सम्बन्धी बोलने /लिखने के हिंदी में अवसर दिए जायें। 2.यदि कोई छात्र अध्यापक बनना चाहता है तो उसके अध्यापक बनने के कारणों को बताने को कहा जाये।
	फारमेटिव-2 मूल्यांकन		
सितम्बर	**अध्यापक दिवस / हिंदी दिवस पर प्रतियोगिताएं करवायी जायें व SA1 की तैयारी एवं परीक्षा (पाठ्यक्रम : अप्रैल-अगस्त)**		
अक्तूबर	**पाठ-11** धीरा की होशियारी	1.सतर्क रहते हुए जीवन जीने और समाज में बुरे लोगों से सावधान रहने के लिए प्रेरणा देना।	1.इस पाठ को संवाद के रूप में लिखकर कक्षा में मंचित किया जाये। 2. विद्यार्थी द्वारा उसके जीवन में घटित इस प्रकार की घटना की कक्षा में चर्चा की जाये।
	व्याकरण : वाच्य	1.व्याकरण में रुचि उत्पन्न करना। 2.वाच्य का पारिभाषिक व व्यावहारिक ज्ञान देना।	1.वाक्य देकर वाच्य की पहचान करवायी जाये। 2. वाच्य एवं उसके भेदों का चार्ट बनाया जाये।
	पाठ-12 अशोक का शस्त्र त्याग	1.पद्मा की बहादुरी और बुद्ध धर्म की शिक्षाओं से विद्यार्थियों को परिचित कराना। 2.अहिंसा का जीवन जीने की प्रेरणा देना। 3. सम्राट अशोक के जीवन के बारे में संक्षेप में बताना।	1.पाठ का कक्षा/स्कूल में मंचन किया जाये। 2.महात्मा बुद्ध की शिक्षाओं की कक्षा में चर्चा करके कॉपी में लिखें।

	व्याकरण : क्रिया विशेषण	1.व्याकरण में रुचि उत्पन्न करना। 2.क्रियाविशेषण का पारिभाषिक व व्यावहारिक ज्ञान देना।	1.वाक्यों के द्वारा क्रियाविशेषण का समुचित ज्ञान प्रदान किया जाये। 2.पाठ्य पुस्तक का कोई पृष्ठ देकर उसमें से क्रियाविशेषण शब्द रेखांकित करवाए जाएं । 3.शब्द समूह में से क्रियाविशेषण सम्बन्धी शब्दों को चुनने के लिए कहा जाये।
	कहानी : हाथी और दरजी	1.बच्चों में रचनात्मक अभिव्यक्ति का विकास करना । 2.दूसरों से प्रेमपूर्वक व्यवहार करने की प्रेरणा देना। 3.जानवरों के प्रति दया और करुणा की भावना का विकास करना। 4.बुरे को सबक सिखाने योग्य बनाना।	1.कहानी से सम्बन्धित चार्ट दिखाया जाये। 2.चित्र दिखाकर कहानी लिखने को कहा जा सकता है। 3.'जैसी करनी वैसी भरनी' शिक्षा से सम्बन्धित कोई अन्य कहानी सुनी/सुनायी जा सकती है।
	प्रार्थना पत्र : बहन के विवाह पर अवकाश के लिए मुख्याध्यापिका को प्रार्थना पत्र ।	1. औपचारिक पत्रों को लिखने की विधि का ज्ञान देना। 2.दैनिक जीवन में बच्चों को पत्र लिखने के योग्य बनाना। 3.आत्मविश्वास विकसित करना।	1.अनौपचारिक पत्रों को लिखने की विधि का चार्ट बनवाया जाये। 3.सम्बन्धित विषय पर चर्चा करके छात्रों से प्रार्थना पत्र लिखवाया जाये व पुन: घर से लिखकर लाने के लिए दिया जाये। 4.अभ्यास हेतु बच्चों से इसी प्रकार का कोई पत्र भी लिखवाया जा सकता है।
	निबन्ध : श्री गुरु गोबिन्द सिंह	1.धार्मिक प्रवृति की ओर उन्मुख करना। 2.सिक्ख धर्म के सभी गुरुओं के नामों से परिचित कराना । 2. श्री गुरु गोबिन्द सिंह जी की शिक्षाओं का ज्ञान देना।	1.सिक्ख धर्म के सभी गुरुओं के नाम लिखवाये जायें। 2. श्री गुरु गोबिन्द सिंह जी के जीवन और शिक्षाओं की चर्चा करना। 3. चर्चा के बाद निबन्ध लिखने को कहा जाये। 4. श्री गुरु गोबिन्द सिंह के भिन्न-भिन्न प्रसंगों से सम्बन्धित चित्र एकत्रित करवाना।
	व्याकरण : विराम चिह्न	1.व्याकरण ज्ञान में वृद्धि करना । 2. विराम चिह्नों का व्यावहारिक ज्ञान देना। 3. विराम चिह्नों का महत्व बताना।	1. मुख्य विराम चिह्नों के अधिकाधिक उदाहरण करवाये जायें। 2.विराम चिह्नों का चार्ट बनवायें।
नवम्बर	**पाठ -13** साक्षरता अभियान	1.पढ़ाई का महत्व बताना। 2. संयम का मार्ग दिखाना। 3. साक्षरता अभियान से अवगत कराना। 4.बचत का महत्व बताना। 5.धैर्यवान,परिश्रमी,ज्ञानवान बनाना। 6.मिलजुल कर रहने की भावना जागृत करना।	1.कविता में निहित लयात्मकता,आरोह-अवरोह व हाव भाव को ध्यानपूर्वक सुनकर कविता का सस्वर वाचन करवाया जाये । 2.बच्चों से कविता का समूह गान करवाया जा सकता है । 3.विद्यार्थियों से पूछा जाए कि वे पढ़-लिखकर देश के विकास में किस तरह योगदान देंगे। 4.विद्यार्थियों के जीवन के लक्ष्य के बारे में हिंदी में बोलने व लिखने के लिए कहा जाये। 5. 'ज्ञान बढ़ाओ और बाँटो'- विषय पर विद्यार्थियों को हिंदी में बोलने के अवसर दें। 6.कविता का सरलार्थ करवाया जाये।

	पाठ–14 गिल्लू	1.पशु–पक्षियों के प्रति दया और करुणा उत्पन्न करना। 2. घायल पशु–पक्षी की चिकित्सा के प्रति सचेत करना। 3.मिलजुल कर रहने की प्रेरणा देना।	1.छात्रों से उनके पालतू पशु–पक्षियों के प्रति विचार हिंदी में जाने जायें। 2.पशु–पक्षियों से भी मिलजुल कर रहने की शिक्षा मिलती है –सम्बन्धी हिंदी में करना।
	व्याकरण : समुच्यबोधक (योजक)	1.व्याकरण में रुचि उत्पन्न करना । 2.छात्रों को समुच्यबोधक शब्दों की पहचान और प्रयोग के योग्य बनाना । 3. रचनात्मक लेखन को प्रभावशाली बनाने की प्रेरणा देना।	1.पाठ्य पुस्तक का कोई पृष्ठ देकर उसमें से समुच्यबोधक शब्द रेखांकित करवाए जाएं । 2. 'रिक्त स्थानों की पूर्ति' / 'मिलान करो' आदि गतिविधियों द्वारा समुच्यबोधक की पहचान करवायी जाये। 3.छोटे–छोटे वाक्यों द्वारा समुच्यबोधक का प्रयोग सिखाया जाये।
	पाठ–15 धर्मशाला	1.रचनात्मक लेखन में कुशल बनाना । 2.डायरी लेखन में रुचि उत्पन्न करना। 3.यात्रा और डायरी लेखन अर्थात एक पंथ दो काज का महत्व बताना। 4.पर्वतीय यात्रा करने के रोमांच से अवगत कराना।	1.विद्यार्थियों से किसी पर्वतीय यात्रा के बारे में सुनना। 2.यदि किसी विद्यार्थी ने इस तरह किसी यात्रा आदि का डायरी लेखन किया है तो उसके अनुभव को कक्षा में बाँटें। 3.किसी पर्वतीय यात्रा के दौरान कैमरे में कैद किए गए प्राकृतिक चित्रों की चर्चा करें।
	व्याकरण : सम्बन्धबोधक	1.व्याकरण में रुचि उत्पन्न करना । 2.छात्रों को सम्बन्धबोधक शब्दों की पहचान और प्रयोग के योग्य बनाना । 3. रचनात्मक लेखन को प्रभावशाली बनाने की प्रेरणा देना।	1.पाठ्य पुस्तक का कोई पृष्ठ देकर उसमें से सम्बन्धबोधक शब्द रेखांकित करवाए जाएं । 2. 'रिक्त स्थानों की पूर्ति' / 'मिलान करो' आदि गतिविधियों द्वारा द्वारा सम्बन्धबोधक की पहचान करवायी जाये। 3.छोटे–छोटे वाक्यों द्वारा सम्बन्धबोधक का प्रयोग सिखाया जाये।
	निबन्ध : दीपावली	1.भारतीय संस्कृति से अवगत कराना। 2. त्योहारों का महत्व बताना। 3. हमेशा सत्य के मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित करना । 4.पटाखे रहित दीवाली मनाने की प्रेरणा देना। चलाने की ओर उन्मुख करना।	1.बच्चों ने दीवाली कैसे मनायी ? इस पर उन्हें हिंदी में बोलने का अवसर दिया जाये । 2.चर्चा के बाद उन्हें दीवाली निबन्ध लिखने को कहा जाये। 3.अखबारों से दीवार्ला से सम्बन्धित चित्रों को एकत्रित करने को कहा जाये। 4.विद्यार्थी पटाखे रहित दीवाली से सम्बन्धित नारे,लेख.पेंटिंग प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाये। 5.'पटाखे रहित दीवाली' रैली का आयोजन किया जाये।
फारमेटिव–3 मूल्यांकन			
दिसम्बर	**पाठ–16** कोई नहीं बेगाना	1.सौन्दर्यानुभूति व आनन्दानुभूति जागृत करना। 2.नि:स्वार्थ समाज सेवा की भावना उत्पन्न करना। 3.वीरता की भावना जगाना। 4.कवि की अनुभूति का ज्ञान कराते हुए काव्य का भावार्थ ग्रहण करने की क्षमता उत्पन्न	1.कविता का सस्वर वाचन बच्चों से करवाया जाए और इस विषय पर बच्चों से चित्र बनवाए जा सकते हैं। 2.भाई कन्हैया जी का जीवन चरित पढ़ने और उनकी शिक्षा को धारण करने

		करना। 5.धार्मिक भावना का विकास करना। 6.भाई कन्हैया के जीवन चरित और उनकी विशिष्टता से अवगत कराना।	को कहा जाये। 3.गुरुद्वारे/अनाथाश्रम आदि जगह पर जाकर समाज सेवा के कार्य करने की प्रेरणा दी जाये। 4.गर्मियों के दिनों में पक्षियों के लिए घर/आँगन में पानी का विशेष प्रबन्ध करने की प्रेरणा दी जाये। 5.भाई कन्हैया जी के जीवन से क्या प्रेरणा मिलती है? इसके बारे में विद्यार्थियों को बोलने का अवसर दें। 6.कविता का सरलार्थ करवाया जाये।
	व्याकरण : मुहावरे	व्याकरण में रुचि पैदा करते हुए एवं शब्द भंडार बढ़ाते हुए मुहावरों के विषय में जानकारी देते हुए सरल वाक्य बनाने में सहायता करना।	1.बारी-बारी से सभी विद्यार्थियों से मुहावरों के अर्थ और प्रयोग सम्बन्धी अभ्यास करवाया जाये ताकि कक्षा में सभी की भागीदारी बनी रहे। 2.मुहावरों के अर्थ व वाक्य सहित चार्ट बनवायें।
	कहानी : दो मित्र और रीछ	1.बच्चों में रचनात्मक अभिव्यक्ति का विकास करना । 2.मुसीबत के समय विवेक से काम लेने योग्य बनाना। 3.विश्वसनीय मित्र की परख करने योग्य बनाना।	1.कहानी से सम्बन्धित चार्ट दिखाया जाये। 2.चित्र दिखाकर कहानी लिखने को कहा जा सकता है। 3.'मुसीबत के समय धोखा देने वाले मित्रों से बचें' शिक्षा से सम्बन्धित कोई अन्य कहानी सुनना/सुनाना।
	पत्र : अपने मित्र को पत्र लिखकर बतायें कि आपका नया स्कूल किन- किन बातों में अच्छा है।	1.अनौपचारिक पत्रों को लिखने की विधि का ज्ञान देना। 2.दैनिक जीवन में बच्चों को पत्र लिखने के योग्य बनाना । 3.सामाजिक मूल्यों का विकास करना। 4.स्कूल के विकास में योगदान देने के योग्य बनाना। 5.स्कूल के साथ प्रगाढ़ सम्बन्ध स्थापित करने योग्य बनाना। 6.सुनकर बोलने और फिर अपने शब्दों में लिखने की ओर धीरे-धीरे प्रवृत्त करना।	1.अनौपचारिक पत्रों को लिखने की विधि का चार्ट बनवाया जाये। 3.सम्बन्धित विषय पर चर्चा करके छात्रों से प्रार्थना पत्र लिखवाया जाये व पुन: घर से लिखकर लाने के लिए दिया जाये। 4.अभ्यास हेतु बच्चों से इसी प्रकार का कोई पत्र भी लिखवाया जा सकता है। 5.विद्यार्थियों से अपने स्कूल की कमियों को दूर करने के सुझाव जानें।
	व्याकरण : विराम चिह्न	1.व्याकरण ज्ञान में वृद्धि करना । 2. विराम चिह्नों का व्यावहारिक ज्ञान देना। 3. विराम चिह्नों का महत्व बताना।	1. अधिकाधिक वाक्यों के द्वारा विराम-चिह्नों के उदाहरण करवाये जायें। 2.विराम चिह्नों का चार्ट बनायें।
	निबन्ध : आँखों देखा मैच	1.रचनात्मक प्रवृति का विकास करना। 2.खेलों के प्रति रुचि उत्पन्न करना। 3.किसी घटना को देखकर उसे अपने शब्दों में लिखने योग्य बनाना।	1.बच्चों को देखे गए मैच के बारे में हिंदी में बोलने का अवसर दिया जाये । 2.चर्चा के बाद उन्हें 'आँखों देखा मैच' निबन्ध लिखने को कहा जाये। 3.मैच से सम्बन्धित चित्रों को एकत्रित करने को कहा जाये। 4.विद्यार्थियों से इस तरह किसी देखी गई घटना को कक्षा में हिंदी में बोलने /लिखने का अवसर दिया जाये।।

जनवरी	**पाठ–17** अन्याय के विरोध में	1.बच्चों को न्याय का साथ देने के लिए प्रेरित करना। 2.विद्यार्थियों को सबक सिखाना कि वे अन्याय का विरोध करें। 3.अपने हक के लिए लड़ना।	1.यदि आप जूलिया की जगह पर होते तो मेहनत से काम करने के पैसे न दिए जाने पर क्या करते ? इस विषय पर बच्चों को हिंदी में बोलने के अवसर दिये जायें। 2.अन्याय को सहना भी गलत है – इस विषय पर बच्चों को हिंदी में बोलने के अवसर दिये जायें। 3.विद्यार्थियों से इस तरह की कोई कहानी सुनें।
	व्याकरण : विस्मयादिबोधक	1.व्याकरण में रुचि उत्पन्न करना । 2.छात्रों को विस्मयादिबोधक शब्दों की पहचान और प्रयोग के योग्य बनाना । 3. रचनात्मक लेखन को प्रभावशाली बनाने की प्रेरणा देना।	1.पाठ्य पुस्तक का कोई पृष्ठ देकर उसमें से विस्मयादिबोधक शब्द रेखांकित करवाए जायें । 2. 'रिक्त स्थानों की पूर्ति' / 'मिलान करो' आदि गतिविधियों द्वारा द्वारा विस्मयादिबोधक की पहचान करवायी जाये। 3.छोटे–छोटे वाक्यों द्वारा विस्मयादिबोधक का प्रयोग सिखाया जाये।
	व्याकरण : नए शब्दों का निर्माण	1.नए शब्दों का निर्माण सिखाना। 2.शब्द भंडार में वृद्धि करना ।	1.वर्णों को जोड़कर , शब्दों को जोड़कर, शब्द में छिपे अन्य शब्दों को ढूंढ़कर व अन्य किसी खेल विधि से नए शब्दों का निर्माण करना सिखाया जाये। 2.उन्हें समूह में बाँटकर ,सोचकर नए शब्द बनाने के अवसर दिए जायें। 3.वर्ग पहेली द्वारा भी नये शब्द बनाने सिखाये जा सकते हैं।
	पाठ–18 सड़क सुरक्षा : जीवन रक्षा	1.सड़क पर चलने के नियमों से अवगत कराना और उन्हें जीवन में धारण करने योग्य बनाना। 2.अनुशासन प्रिय बनने की प्रेरणा देना। 3.अच्छा नागरिक बनने की प्रेरणा देना।	1.यातायात के नियमों का चार्ट। 2. स्कूल में सड़क जागरूकता सम्बन्धी नारे लिखवायें। 3.सड़क जागरूकता सम्बन्धी कोई नाटिका तैयार करवायी जाये।
	कहानी : शेर और चुहिया	1.बच्चों में रचनात्मक अभिव्यक्ति का विकास करना । 2.किसी की शक्ति को कम न आँकने की शिक्षा देना। 3.मुसीबत के समय दूसरों की सहायता करने की प्रेरणा देना।	1.कहानी से सम्बन्धित चार्ट दिखाया जाये। 2.चित्र दिखाकर कहानी लिखने को कहा जा सकता है।अभिनय विधिके प्रयोग से कहानी के संवादों को बच्चों से बुलवाया जाये। 3.छात्रों से सम्बन्धित कहानी का चित्र बनवाया जा सकता है। 4.'मुसीबत के समय धोखा देने वाले मित्रों से बचें' शिक्षा से सम्बन्धित कोई अन्य कहानी सुनी /सुनायी जाये।
फारमेटिव–4 मूल्यांकन			
फरवरी	**पाठ–19** दोहावली	1.सौन्दर्यानुभूति व आनन्दानुभूति जागृत करना। 2.भक्तिभावना उत्पन्न करना। 3.नैतिक व चारित्रिक विकास करना। 4.प्रेरणादायक दोहों से जीवन के सत्य को पहचानने के योग्य बनाना। 5.संगीतात्मकता का महत्व बताना।	1.ऑडियो/वीडियो सी.डी. आदि से दोहों का रसास्वादन किया जाये। 2.विद्यार्थियों को प्रेरणादायक अन्य पदों का संकलन करने को कहा जाये। 3.कविता का सरलार्थ करवाया जाये।